शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अवसर
2

निःशुल्क वितरण हेतु

शिक्षकों से बातचीत

शिक्षा प्राप्त करना सभी का संवैधानिक अधिकार है। यह अपेक्षा रहती है कि सभी बच्चे औपचारिक रूप से शिक्षित होने के लिए विद्यालय में नामांकित हों और शिक्षा ग्रहण करें। भिन्न विशेषता वाले बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भौतिक संसाधन, पाठ्यक्रम तथा शिक्षण विधियों में अपेक्षित बदलाव करते हुए समावेशी वातावरण व क्रिया-कलाप को भी अपनाया जा रहा है। बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के भाषायी दक्षता विकास के लिए हम सभी को उनकी क्षमता के अनुरूप पाठ्यक्रम व शिक्षण के तरीको को अपनाने की आवश्यकता है, जिससे वे सहज और सरल तरीके से भाषा विकास से जुड़ी गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकें। चिंतन, चुनौती एवं रूचि को ध्यान में रखकर किये गये प्रयास सार्थक परिणाम देंगे।

बच्चों के साथ शिक्षण कार्य करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है-

१ एक साथ कई जानकारियों को प्रदर्शित न किया जाय।

२ आरम्भिक बातचीत के दौरान उनकी क्षमता व विशेषता का आकलन/मूल्यांकन को संदर्भ में लिया जाय।

३ विषयवस्तु को समझाने के लिए यथासम्भव मूर्त वस्तुओं का उपयोग किया जाय।

४ अधिगम सम्प्राप्ति का मूल्यांकन सतत् रूप से करते हुए विषयवस्तु/शिक्षण बिंदु को विस्तार दिया जाय। शिक्षण अधिगत सामग्री का प्रयोग करते समय यह ध्यान रखा जाय कि चित्रों का आकार बड़ा व स्पष्ट हो। कई रंगों का प्रयोग एक साथ न हो।

५ छोटी-छोटी कविता एवं कहानियों को सुनाया जाय। अधिक से अधिक २ या ३ पात्रों वाली कहानी जो किसी समस्या का समाधान कर रही हो या कोई संदेश दे रही हो, को सुनाया जा सकता है।

६ पठन हेतु निर्धारित वर्ण एवं शब्द को बोल्ड फॉन्ट में प्रयोग किया जाय।

७ बच्चों के सभी प्रयासों पर पुनर्बलन अवश्य दिया जाय।

८ भावात्मक रूप से जुड़ाव इन बच्चों के अधिगम सम्प्राप्ति को बढ़ाने में मदद करता है।

९ प्रत्येक बच्चे की प्रगति/उपलब्धि का आकलन उसके उपलब्धि के सापेक्ष किया जाय।

१० पाठ्य वस्तु को छोटे-छोटे भागों/चरणों में विभक्त कर शिक्षण कार्य किया जाय।

११ भाषायी दक्षता विकास हेतु दृश्य-श्रव्य सामग्री का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के साथ कार्य करते समय धैर्य एवं विभिन्न तकनीकों के प्रयोग की आवश्यकता होती है।

आप से यह अपेक्षा है कि आप बच्चों के साथ शिक्षण कार्य करते हुए उपर्युक्त बातों को भी ध्यान में रखते हुए सफलतापूर्वक लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद्

अवसर–2

नाम : ------------------------------

माता का नाम : ------------------------------

पिता का नाम : ------------------------------

विद्यालय का नाम: ------------------------------

पता : ------------------------------

निःशुल्क वितरण हेतु

मुख्य संरक्षक	:	श्रीमती रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
संरक्षक	:	श्री विजय किरन आनन्द, महानिदेशक (स्कूल शिक्षा) उ0प्र0 तथा राज्य परियोजना निदेशक, उ0प्र0 सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद्, लखनऊ।
निर्देशन	:	डॉ0 सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ0प्र0, लखनऊ।
समन्वयन	:	श्रीमती ऋचा जोशी, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी।
विशेष समन्वयन	:	श्रीमती चन्दना रामइकबाल यादव, निदेशक, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी।
समीक्षा	:	श्री अजय कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ, श्रीमती दीपा तिवारी, सहायक निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0, उ0प्र0, लखनऊ,।
परामर्श	:	प्रो0 वशिष्ठ अनूप (हिंदी विभाग) काशी हिन्दू वि0वि0, वाराणसी, डॉ0 आर0 ए0 जोसेफ, निदेशक, विकलांग समाकलन संस्थान, करौंदी वाराणसी, डॉ0 आशीष कुमार गुप्ता, एसो0 प्रो0, काशी हिन्दू वि0वि0 वाराणसी, डॉ0 उदयन मिश्रा, एसो0 प्रो0, मनोविज्ञान विभाग हरिश्चन्द्र पी0जी0 कॉलेज, वाराणसी, डॉ0 विनीता, असि0 प्रो0, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू वि0वि0, वाराणसी,
संपादन	:	श्रीमती नीलम यादव, डॉ0 अमरजीत, शोध प्रवक्ता, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी।
लेखन	:	श्रीमती रेखा वर्मा, श्रीमती नमिता सिंह, श्रीमती रत्नेश कुमारी पाण्डेय, श्री अखिलेश्वर प्रसाद गुप्ता, डॉ0 कुँवर भगत सिंह, श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती अनीता शुक्ला, श्रीमती सुमन पाण्डेय, स0 अ0 बेसिक, श्री श्यामलाल पटेल, श्री पवन कुमार, श्री रवि प्रकाश सत्ये, श्री उदय प्रताप सिंह, श्रीमती निधि विश्वास, श्रीमती अंजना श्रीवास्तव, डॉ0 नीला विशालक्ष्मी बापट्ला, बौद्धिक दिव्यांगता से संबंधित विशेषज्ञ श्रीमती उषा कुशवाहा, श्रीमती पुष्पा देवी, श्रीमती नीलू सिंह, श्रीमती आभा देवी, इन्टीरेण्ट टीचर बेसिक ।
चित्रांकन	:	श्री संजय यादव, श्री अखिलेश कुमार गौतम, सरिता पटेल, श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव, श्री सुनील कुमार, श्री ज्ञान प्रकाश कुशवाहा, शालिनी सिंह, कु0 कुसुम, श्री ईश्वर दयाल, श्री आनंद, श्री सुभाष चन्द्र, श्री अजीत कुमार।
कम्प्यूटर ले–आउट	:	श्री मनोज कुमार यादव, श्री विनय कुमार, श्री अजीत कुमार कौशल।
आभार	:	पाठ्यपुस्तक के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य–सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

संस्करण :

शिक्षा सत्र : 2020–2021

उत्पादन : पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ0प्र0।

© उत्तर प्रदेश शासन।

प्राक्कथन

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 सभी बच्चों को पढ़ने–लिखने का अवसर प्रदान करता है। पाठ्यपुस्तकें सीखने–सिखाने का सबसे सशक्त एवं महत्त्वपूर्ण साधन हैं। बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों के दैनिक व सामाजिक व्यवहार सामान्य बच्चों से अलग होते हैं। उनके सीखने की क्षमता अन्य बच्चों से धीमी व अलग होती है। ऐसी स्थिति में बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 के सिद्धान्तों के दृष्टिगत इन बच्चों को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु पाठ्यपुस्तक का विकास किया गया है। यह पुस्तक बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के साथ–साथ उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए भी उपयोगी है।

बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों में सीखने की गति, संवेगात्मक विकास, बौद्धिक कार्य व व्यवहार में अनुकूलन की क्षमता कम होती है। सभी बौद्धिक दिव्यांग बच्चे एक जैसे नहीं होते हैं तथा अधिगम अक्षमता में प्रशिक्षण के द्वारा सुधार लाया जा सकता है। इस प्रकार शिक्षण एवं प्रशिक्षण हेतु योग्य बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को सिखाने में माता–पिता, अभिभावकों एवं सेवादाताओं को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह पुस्तक उन अभिभावकों एवं संरक्षकों के लिए विशेष उपयोगी सिद्ध होगी, जो बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को दैनिक एवं व्यावहारिक जीवन के क्रियाकलापों में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं।

पुस्तक में दैनिक जीवन में उपयोगी क्रियाकलापों, आसपास के परिवेश में उपलब्ध वस्तुओं की पहचान व उपयोग, परिवार व अन्य संबंधियों की पहचान, विभिन्न प्रकार की भावनाएँ प्रदर्शित करना आदि विषयों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तकों की भाषा अत्यन्त सरल है तथा बच्चों के बौद्धिक स्तर तथा उनकी क्षमता के अनुरूप विकसित की गयी है। पुस्तक में निहित सामग्री के संप्रेषण विधि अत्यन्त साधारण व सरल है। पुस्तक के विकास में उन कौशलों एवं दक्षताओं को ध्यान में रखा गया है जो कक्षा–2 लिए अपेक्षित हैं।

इस पाठ्यसामग्री को विकसित करने में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, के विशेषज्ञों, निदेशक,राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी के शोध प्रवक्ताओं, बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों तथा विशेष रूप से बौद्धिक दिव्यांग बच्चों हेतु स्थापित संस्थानों में कार्य करने वाले शिक्षकों को साधुवाद देता हूँ।

हमें यह विश्वास है कि यह पाठ्यपुस्तक बौद्धिक रूप से दिव्यांग बच्चों में अपेक्षित जीवन कौशल के साथ–साथ अपेक्षित भाषायी दक्षता के विकास में भी सहायक होगी।

अप्रैल 2020

डॉ0 सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह
शिक्षा निदेशक (बेसिक)
एवं
अध्यक्ष, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद्

पाठ्यक्रम

सुनना	परिवेशीय वस्तुओं को देखकर व सुनकर अपने अनुभवों से जोड़ना। सामान्य निर्देशों/जानकारियों को समझते हुए सुनना। कविता, गीत, कहानी को ध्यानपूर्वक सुनना।
बोलना	स्वयं और अपने माता–पिता, भाई–बहन के बारे में बताना। पेड़–पौधे, पशु–पक्षियों के बारे में बोलना। सामान्य क्रियाकलाप एवं दिनचर्या को निर्देशानुसार बताना। कविता, गीत, कहानी पर अपनी अभिव्यक्ति देना। सामान्य शिष्टाचार की बातों को समझकर बोलना। अपनी बात बताना।
पढ़ना	भाषा की सभी ध्वनियों को सुनकर समझते हुए पढ़ना। अ से अः तक मात्रा वाले शब्दों को चित्र के साथ पढ़ना। शिष्टाचार/अच्छी आदत संबंधी वाक्यों को सचित्र पढ़ना।
लिखना	ट्रेसिंग, बिंदु से बिंदु मिलाना इत्यादि लेखन पूर्व तैयारी करना। भाषा की स्वर ध्वनियों (अ से अः तक) को लिखना।

शिक्षण संबंधी परिणाम

बच्चे–

- प्रार्थना की मुद्रा जैसे–खड़े होना, हाथ जोड़ना, आँखें बंद करना आदि क्रिया कर लेते हैं।
- कविता/कहानी को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और अपनी प्रतिक्रिया देते हैं।
- अपने तथा अपने परिवार के बारे में बताते हैं।
- अपना, अपने माता–पिता और भाई–बहन का नाम बताते हैं।
- परिवेशीय वस्तुओं को देखकर व सुनकर अपने अनुभवों से जोड़ लेते हैं।
- लिखी या छपी सामग्री के तहत छपे हुए चित्र पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं।
- उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः मात्रा वाले शब्दों के चित्रों को देखकर बोलते हैं।
- बिंदु से बिंदु मिलाकर हिन्दी वर्णमाला के स्वर वर्णों को लिखते हैं।

विषय सूची

क्र0स0	पाठ का नाम		पृष्ठ स0
●	प्रार्थना		7
1	मुझसे मिलिए		8
●	मेरा परिवार	कविता	9
2.	बिन्दुओं को मिलाओ		10–11
3.	तोता	कविता	12
4.	दैनिक क्रियाएँ		13–15
●	कपड़ा उतारें / पहनें		13
●	चलो नहाएँ	कविता	14
●	ठीक समय पर	कविता	15
5.	चूहों की बुद्धिमानी	कहानी	16
6.	स्वर गीत		17–19
7.	आओ लिखें – 1		20–23
8.	कोयल रानी	कविता	24
9.	आओ पढ़ें – 1		25–28
10.	दो बकरियाँ	चित्रकथा	29–30
11.	आओ लिखें – 2		31–34
12.	तितली	कविता	35
13.	आओ पढ़ें – 2		36–39
14.	लालू और पीलू	कहानी	40
●	रंग भरो		41
15.	आओ लिखें–3		42–45
16.	सब्जियाँ	कविता	46
17.	हमारे आस–पास		47–48
●	गाँव		47
●	शहर		48
18.	व्यंजन गीतमाला		49–56

प्रार्थना

सुबह करें हम ध्यान तुम्हारा,
सुन्दर हो संसार हमारा;
तन हो सुन्दर, मन हो सुन्दर,
जीवन हो खुशहाल हमारा।

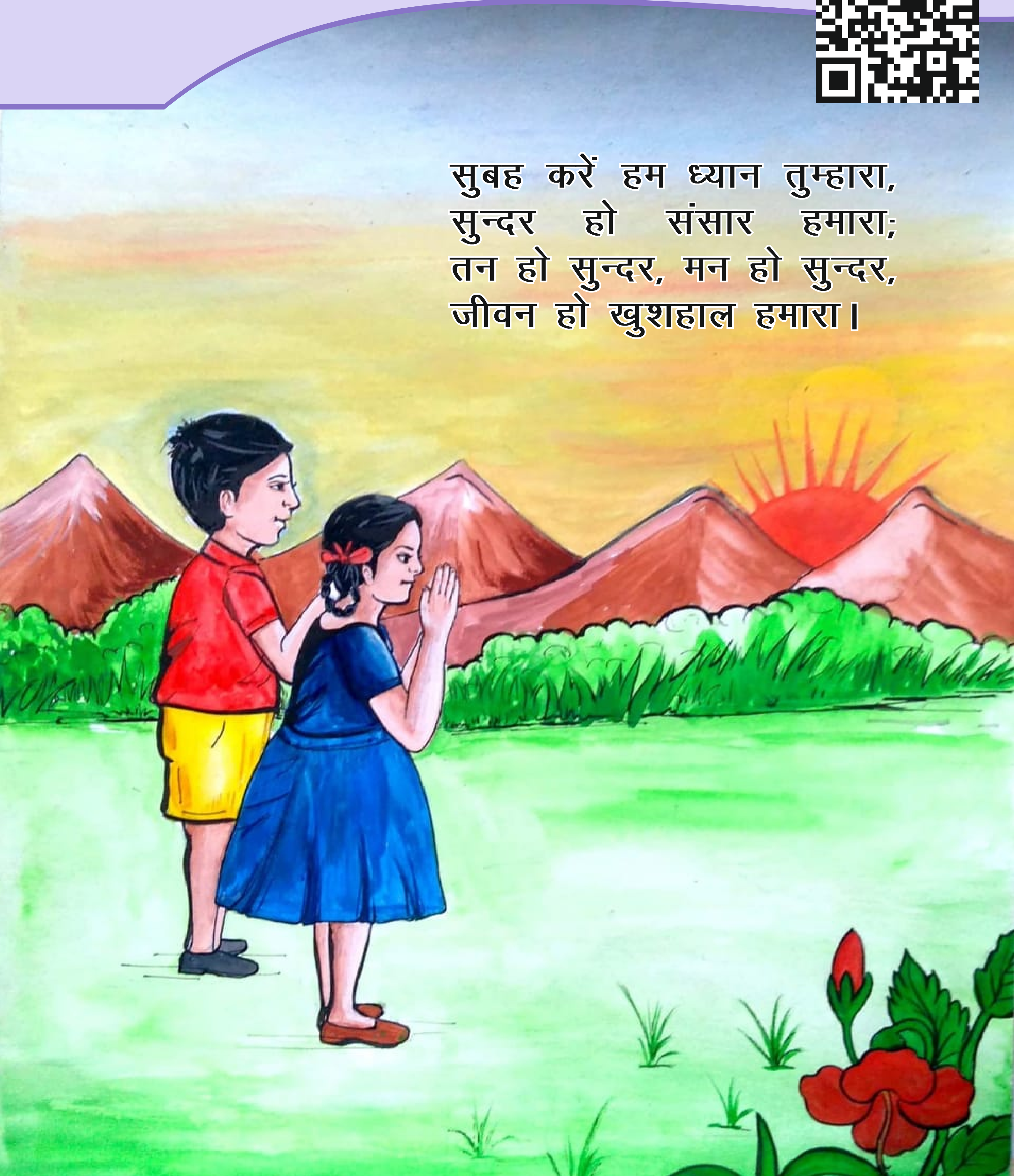

शिक्षण संकेत हाव–भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों से भी कराएँ।

पाठ 1

मुझसे मिलिए

- मेरा नाम.............................है।
- मै कक्षा 2 में पढ़ता/पढ़ती हूँ।

शिक्षण संकेत

खाली स्थान में बच्चे का फोटो चिपकाएं तथा नीचे लिखे वाक्यों को बार–बार दुहरवाएँ।

मेरा परिवार

घर है मेरा कितना प्यारा,
इसमें है परिवार हमारा;
मेरी दादी, मेरे दादा,
भैया–दीदी, मम्मी–पापा।

शिक्षण संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से उनके परिवार के बारे में बातचीत करें।

बिन्दुओं को मिलाओ

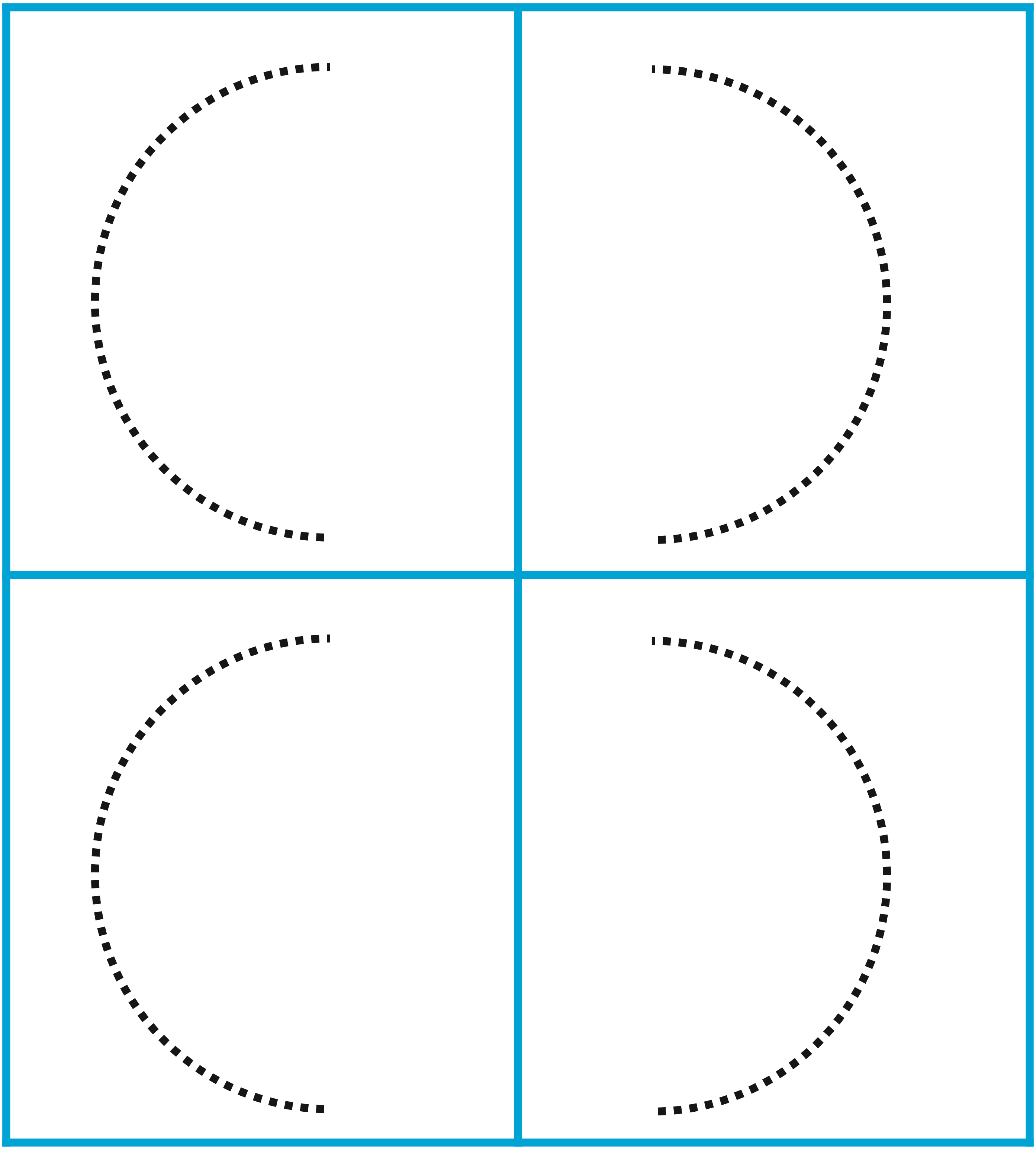

शिक्षण संकेत

बच्चों से पेंसिल की सहायता से बिन्दुओं का मिलान कराएँ।

तोता

पिंजरे में था सुन्दर तोता,
बैठे – बैठे हरदम रोता ;
मोनू आया पिंजरा खोला,
उड़ जा उड़ जा उसने बोला।

शिक्षण संकेत कविता का सस्वर वाचन बच्चों के साथ करें तथा बच्चों में जीवों पर दया करने की भावना का विकास करें।

दैनिक क्रियाएँ

कपड़ा उतारें–पहनें

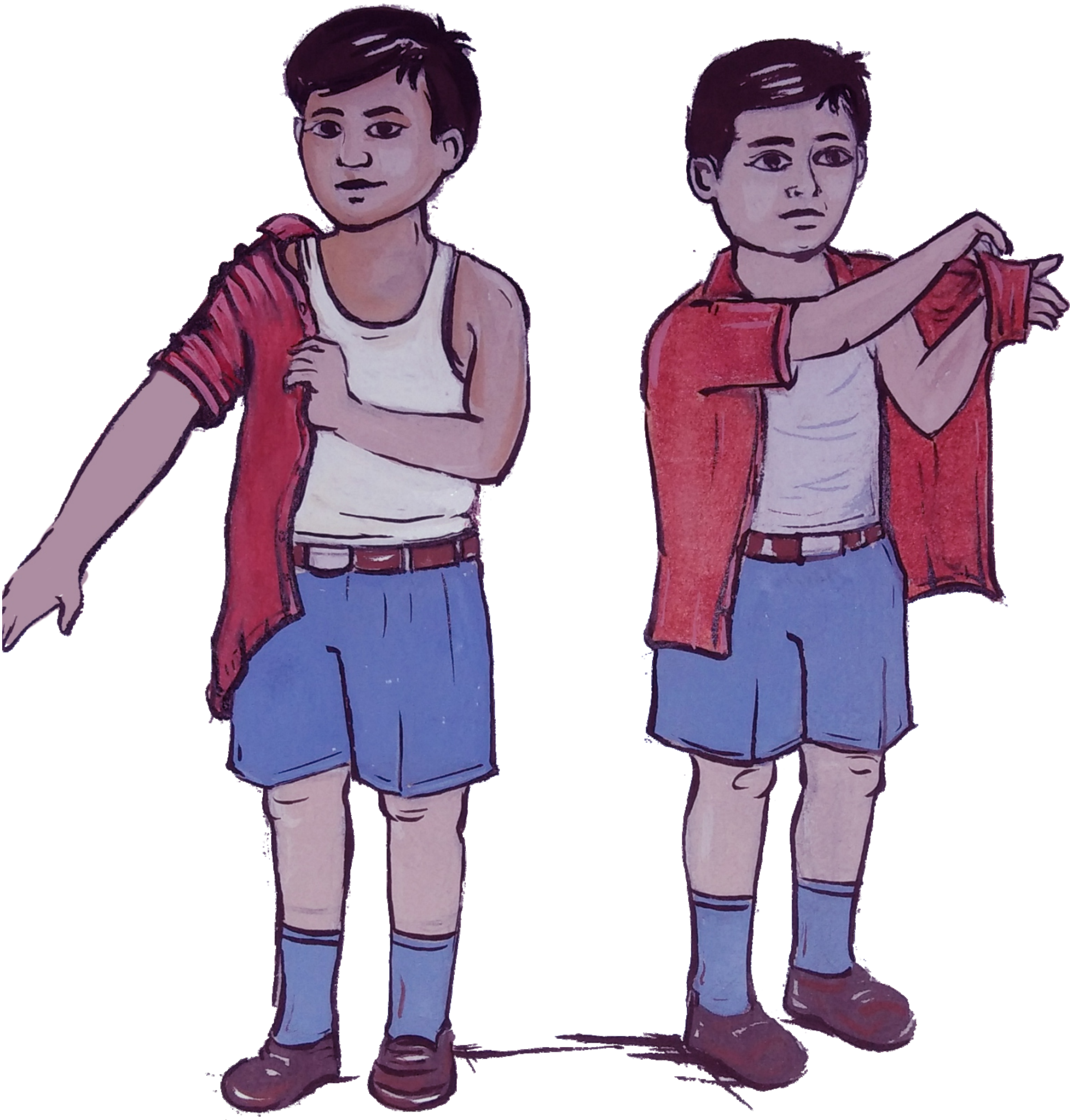

शिक्षण संकेत

कपड़े पहनने और उतारने के तरीकों पर बच्चों से बातचीत करें।

चलो नहाएँ

नल से पानी भरकर लाओ,
और नियम से रोज नहाओ;
आलस को तुम दूर भगाओ,
अच्छे बच्चे सब बन जाओ।

शिक्षण संकेत

बच्चों से कविता का सस्वर वाचन कराएँ एवं नहाने के लाभ को बताएँ।

ठीक समय पर

ठीक समय पर नित उठ जाओ,
ठीक समय पर चलो नहाओ;
ठीक समय पर खाना खाओ,
ठीक समय पर पढ़ने जाओ।

शिक्षण संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें एवं कविता में दिये गये संदेशों पर बातचीत करें।

पाठ 5

चूहों की बुद्धिमानी

एक दिन की बात है, सुंदर वन में दो चूहे फुटबॉल खेल रहे थे। अचानक एक बिल्ली आ गयी। बिल्ली ने कहा– ''मैं भी फुटबॉल खेलूँगी।'' चूहों ने कहा–अभी कुत्ता भी आने वाला है। ऐसा सुनकर बिल्ली डरकर भाग गयी। दोनों चूहे फिर से खेलने लगे।

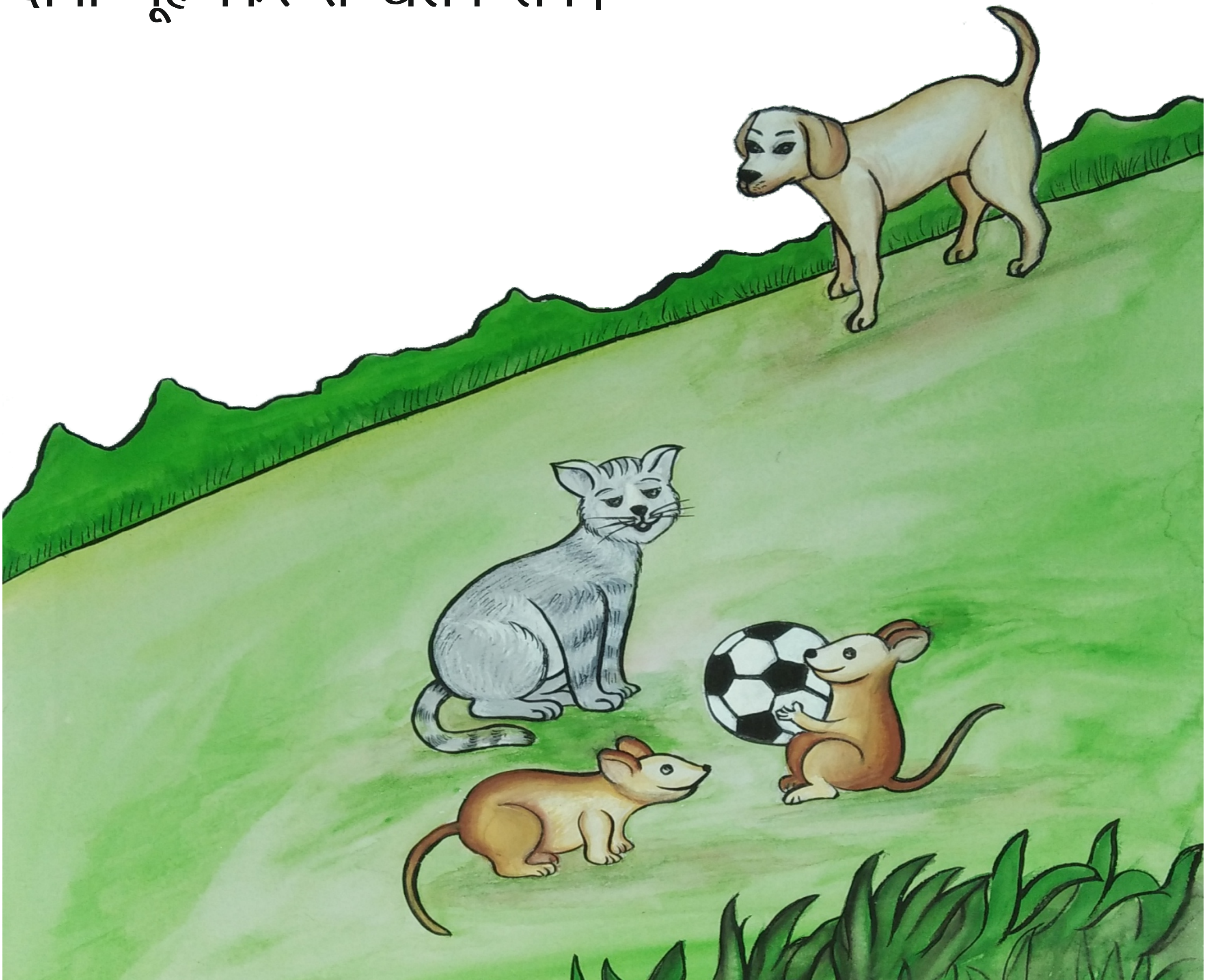

शिक्षण संकेत

कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाएँ एवं बच्चों को भी कहानी सुनाने का अवसर दें।

स्वर गीत

अ

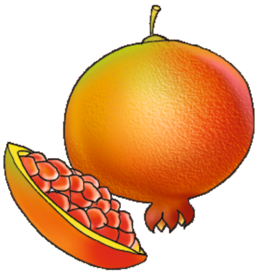

अनार बड़ा रसीला

आ

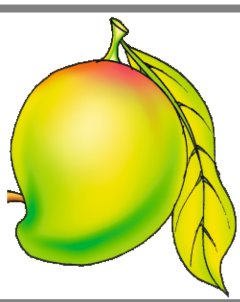

आम हरा या पीला

इ

इमली बड़ी ही खट्टी

ई

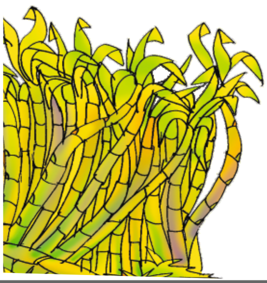

ईख से बनती चीनी मीठी

उ उल्लू की आँखें गोल

ऊ 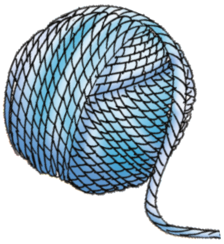 ऊन का गोला गोल

ऋ ऋषि ध्यान लगाता

ए 1 एक है पहले आता

ऐ ऐनक रमन लगाता

ओ ओखल में कूटो धान

औ औरत है बड़ी महान

अं अंगूर खूब खाओ

अः अः विद्यालय जाओ

शिक्षण संकेत

स्वर गीत का अभ्यास कराएँ।

आओ लिखें–1

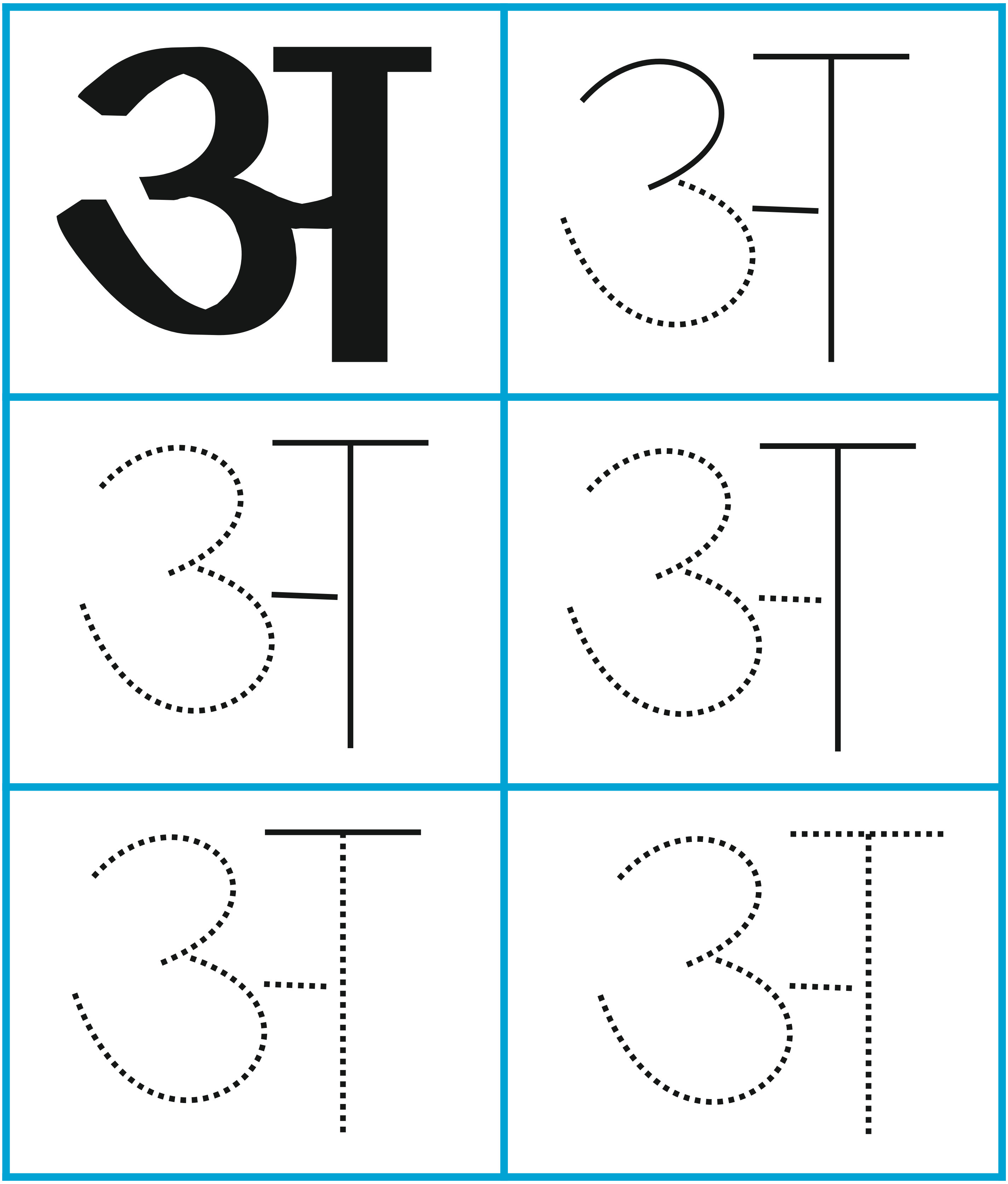

आ

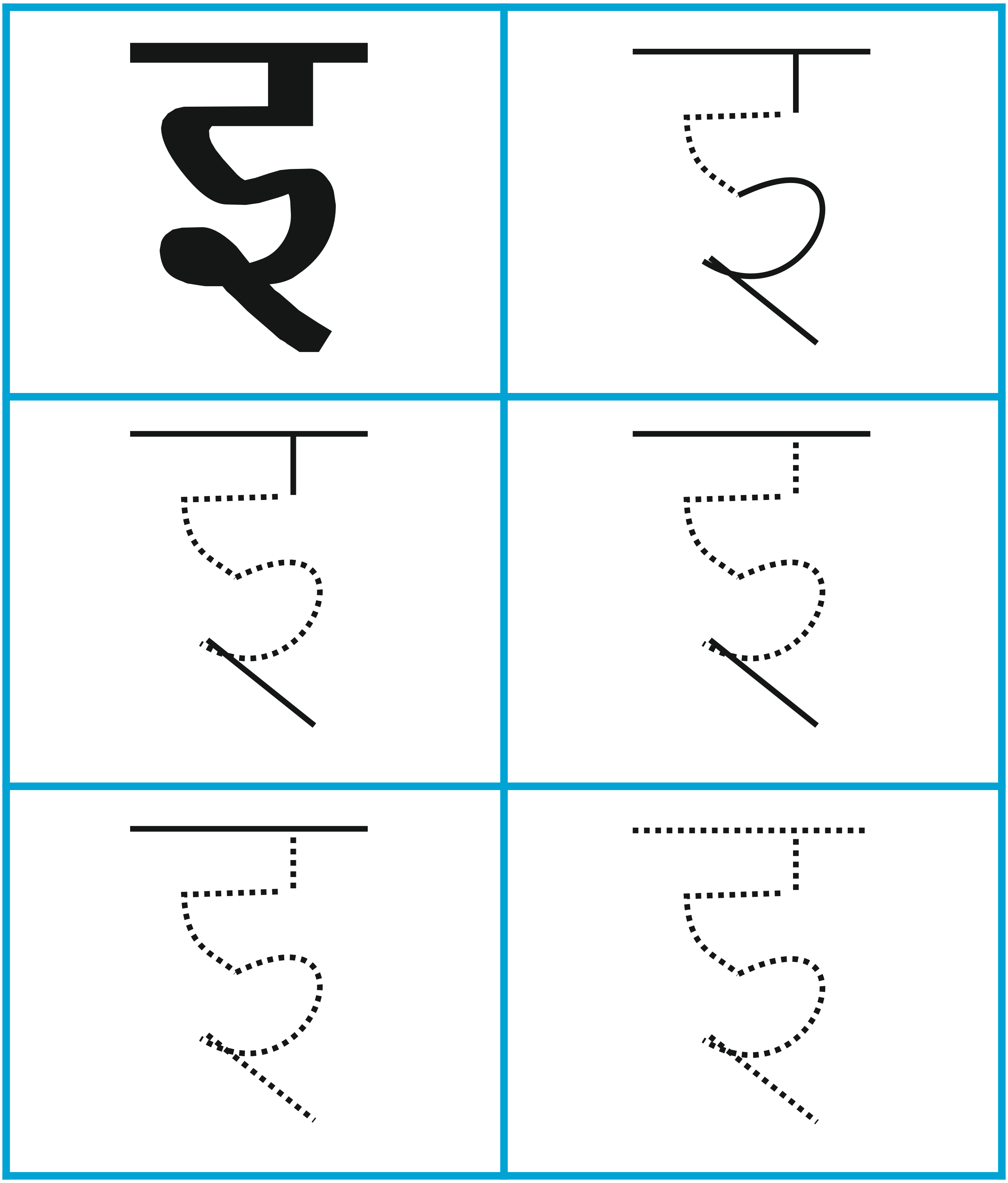
इ

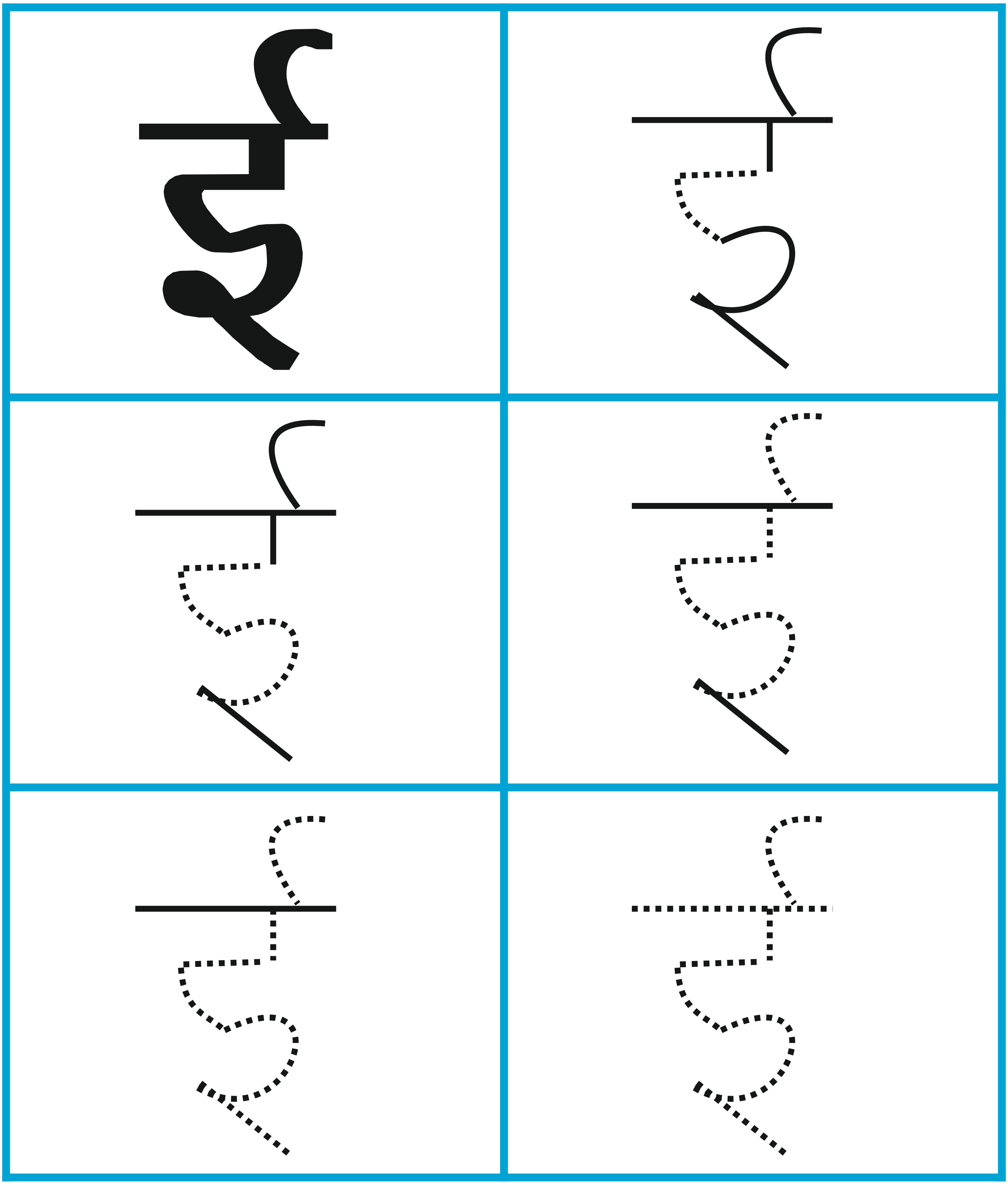

शिक्षण संकेत

बिन्दुओं को मिलाते हुए दिए गए वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

पाठ 8

कोयल रानी

कोयल रानी, कोयल रानी,
कहाँ मिली यह मीठी बानी;
किसी नदी ने दावत में क्या,
तुम्हें पिलाया, शक्कर–पानी।

शिक्षण संकेत — कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों से कराएँ।

आओ पढ़ें–1

उ (ु) की मात्रा

गुलाब

गुड़िया

जामुन

साबुन

शिक्षण संकेत: चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

ऊ (ू) की मात्रा

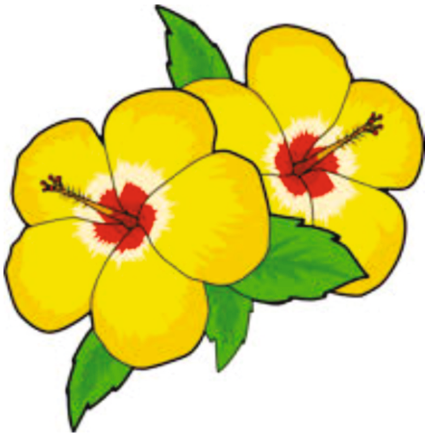

फूल

जूता

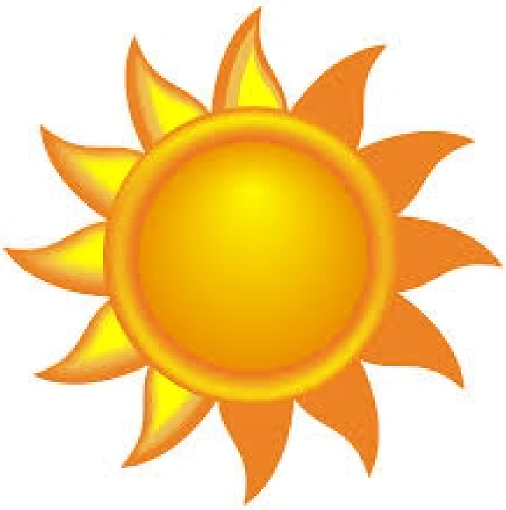

सूरज

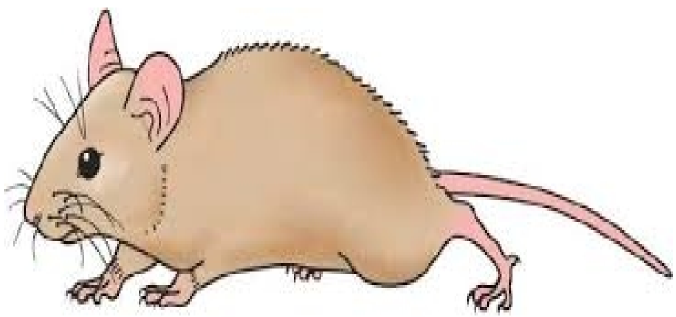

चूहा

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

ए (े) की मात्रा

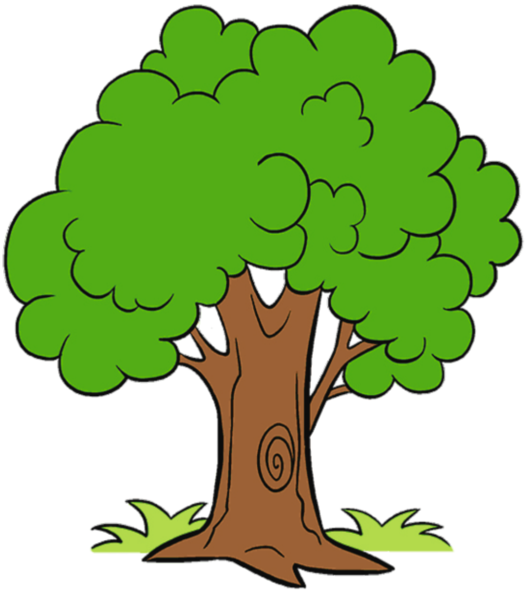

पेड़

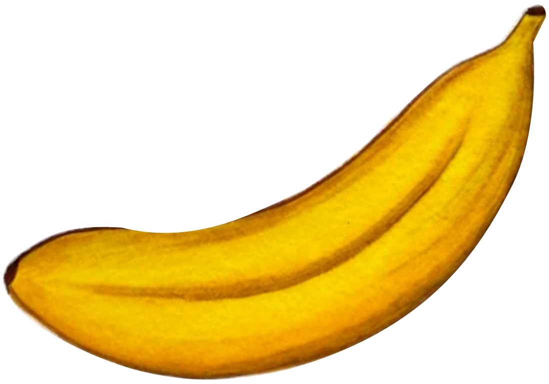

केला

रेल

करेला

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

ऐ (ै) की मात्रा

सैनिक

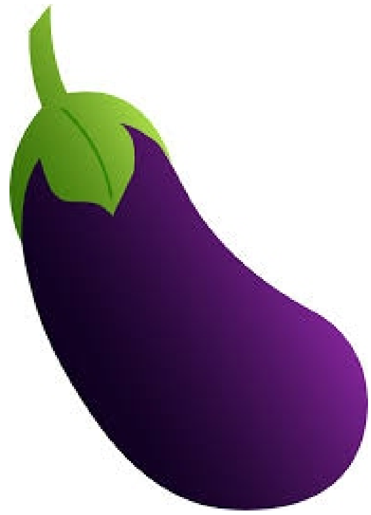

बैंगन

पैर

पैसा

शिक्षण संकेत
चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

दो बकरियाँ

दो बकरियाँ एक पुल पर मिलीं। पुल पतला था। दोनों का एक साथ पार करना कठिन था। दोनों ने आपस में बात की।

एक बकरी पुल पर बैठ गयी। दूसरी बकरी उसके ऊपर चढ़कर पार हो गई।

बैठी हुई बकरी भी उठकर अपने रास्ते चली गई।

सीख– "मिलजुल कर आपसी बातचीत से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान हो जाता है।"

शिक्षण संकेत — चित्रों पर चर्चा करें एवं बच्चों को मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित करें

आओ लिखें–2

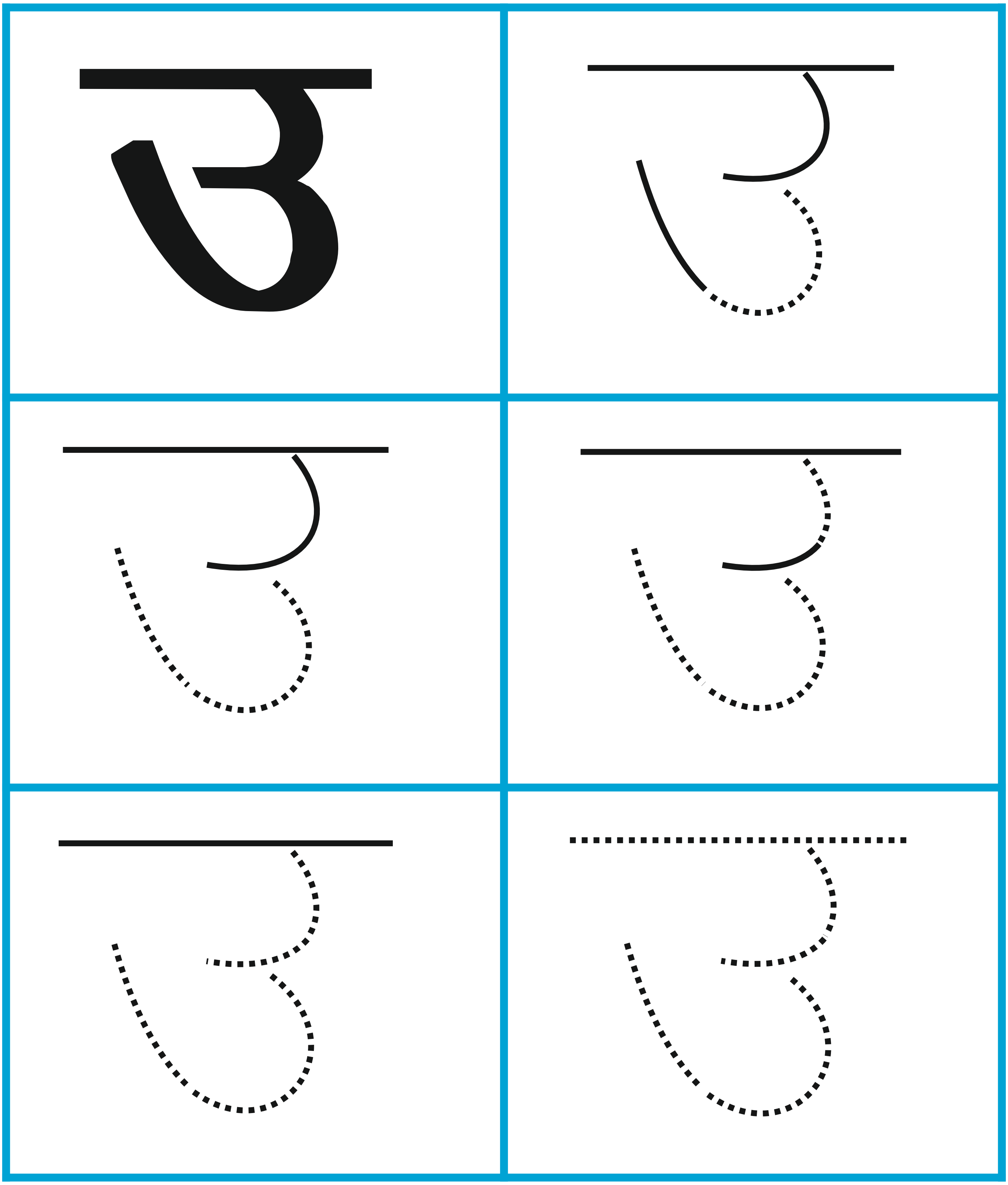

शिक्षण संकेत

बिंदुओं को मिलाते हुए बच्चों से दिए गए वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

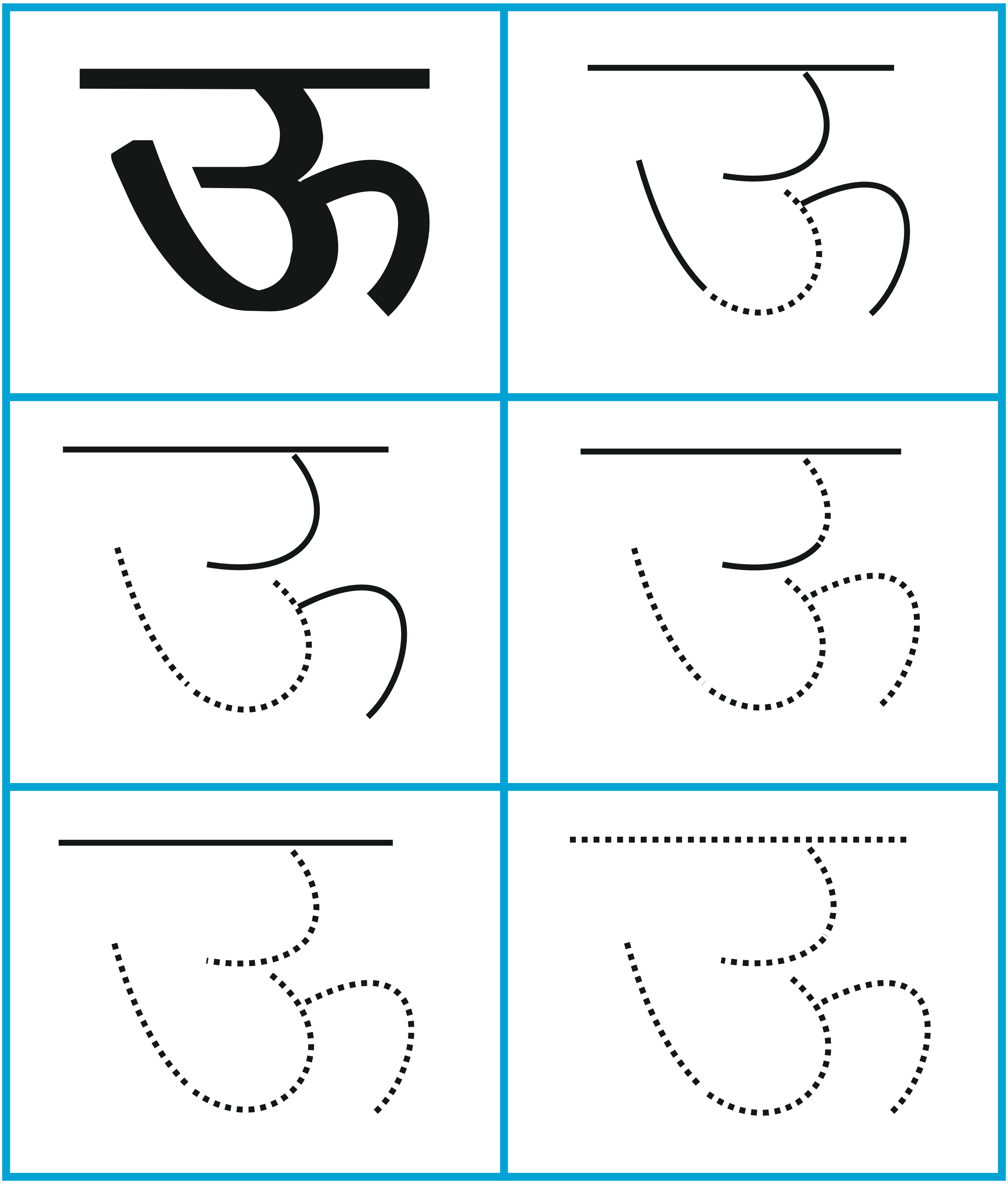

शिक्षण संकेत

बिंदुओ को मिलाते हुए बच्चों से दिए गए वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

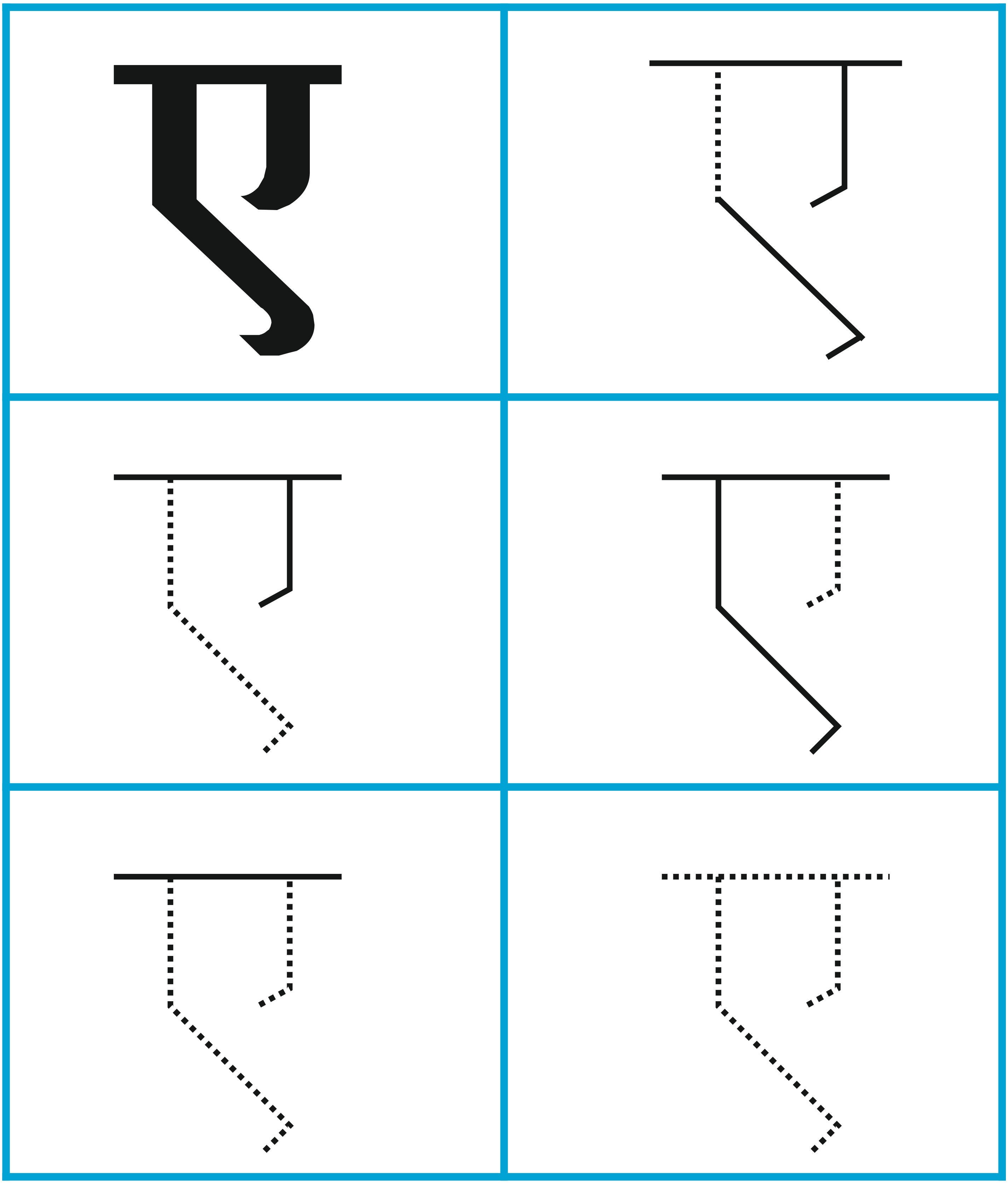

शिक्षण संकेत

बिन्दुओं को मिलाते हुए बच्चों से दिए गए वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

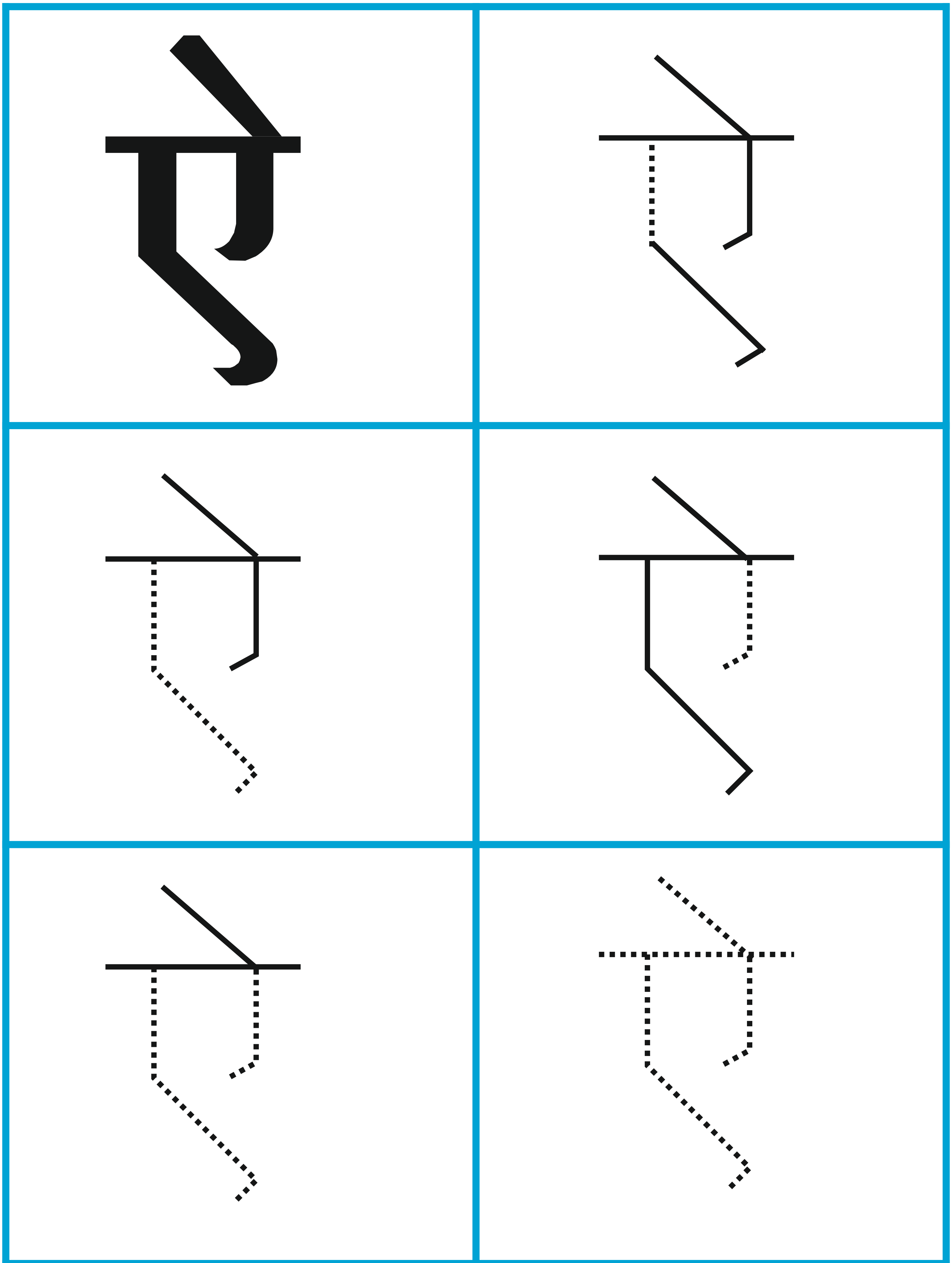

शिक्षण संकेत बिन्दुओं को मिलाते हुए बच्चों से दिए गए वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

पाठ 12

तितली

तितली तुम मतवाली हो,
सबका मन ललचाती हो;
फूलों का रस लेती हो,
दूर गगन उड़ जाती हो;
रंग बिरंगे पंखों वाली,
सबके मन को भाती हो;
एक बात मैं तुमसे पूछूँ,
रंग कहाँ से पाती हो ?

शिक्षण संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों से कराएँ।

आओ पढ़ें—2

ओ (ो) की मात्रा

कटोरी

कोट

टोकरी

घोड़ा

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

औ (ौ) की मात्रा

पौधा

तौलिया

कौआ

लौकी

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

अं (ं) की मात्रा

पतंग

कंघी

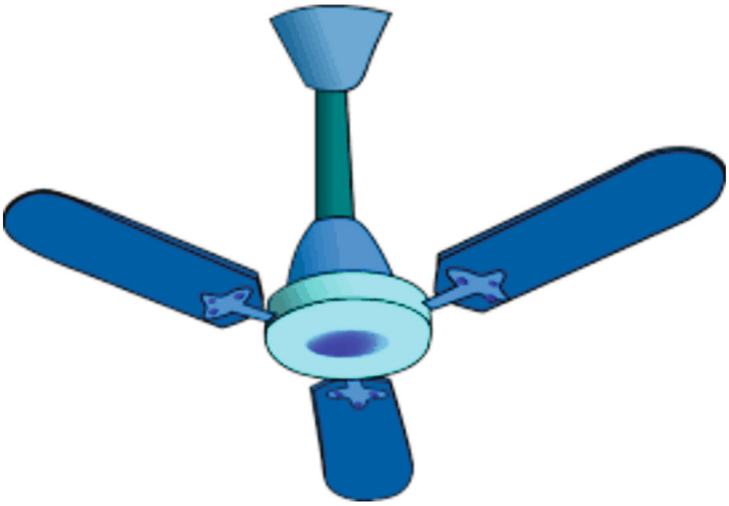

पंखा

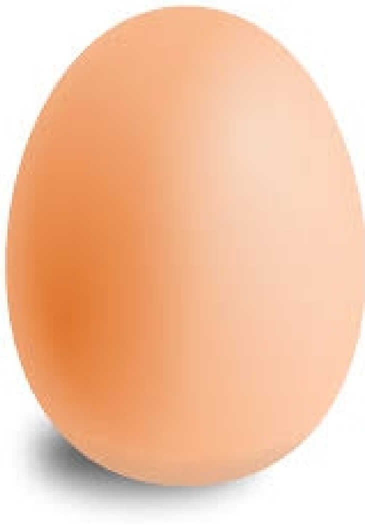

अंडा

शिक्षण संकेत चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

अः (ः) की मात्रा

प्रातः

नमः

शिक्षण संकेत

चित्र दिखाकर शब्दों का उच्चारण अभ्यास कराएँ।

पाठ 14

लालू और पीलू

एक मुर्गी के दो बच्चे थे, लालू और पीलू। लालू को लाल चीजें पसन्द थी और पीलू को पीली। एक दिन लालू ने गलती से लाल मिर्च खा ली। वह चिल्लाया– "माँ–माँ।" वह जोर से रोने लगा। तभी पीलू दौड़कर गुड़ ले आया। माँ ने लालू को गुड़ खिलाया। मीठा गुड़ खाकर उसके मुँह की जलन ठीक हो गई। माँ और पीलू ने लालू को खूब प्यार किया। वह खुश होकर नाचने लगा।

शिक्षण संकेत

बच्चों को हाव–भाव के साथ कहानी को सुनाएँ।

रंग भरो–

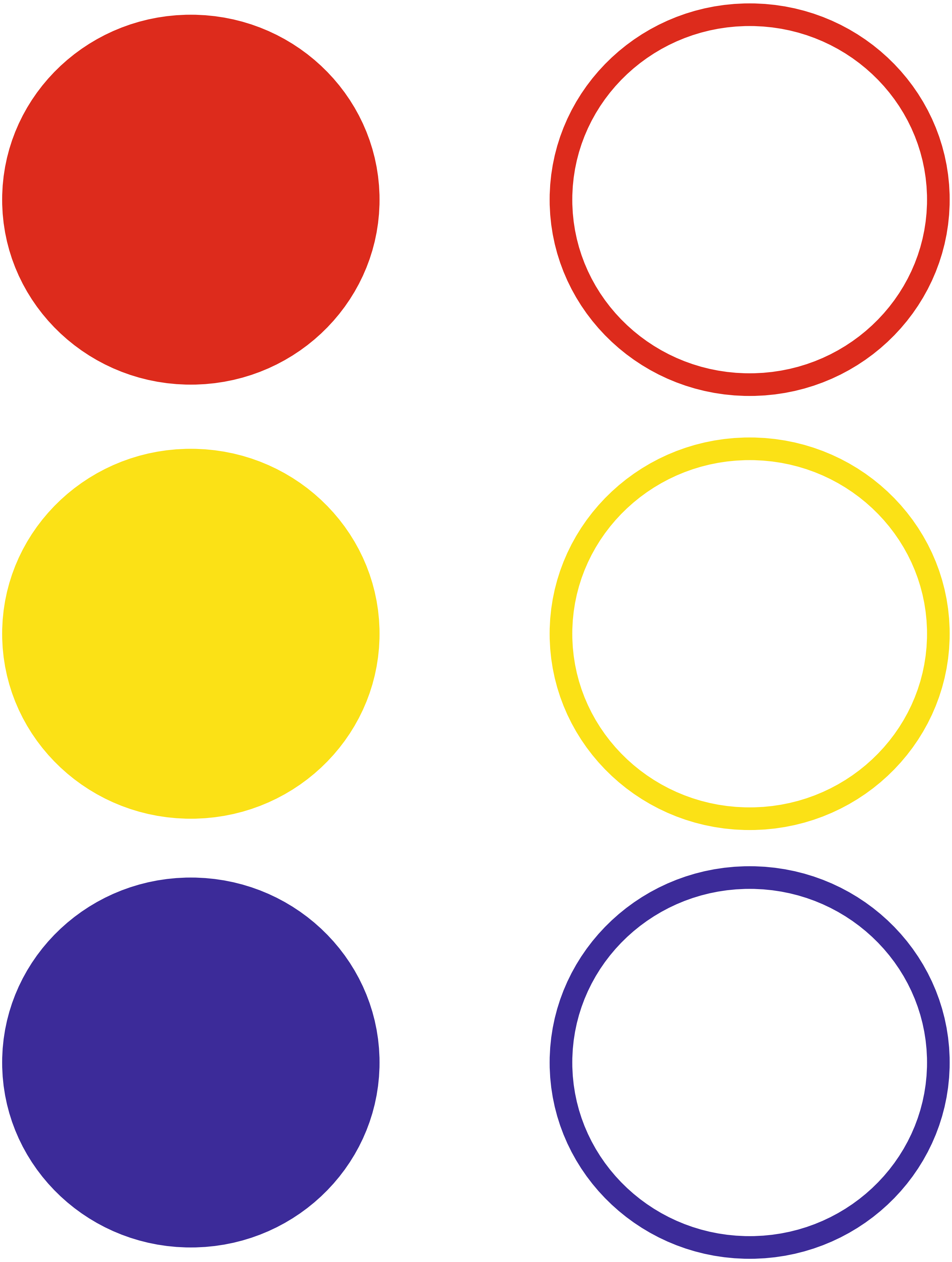

शिक्षण संकेत

बच्चों को रंगों के नाम बताते हुए खाली गोलों में संकेत के अनुसार रंग भरवाएँ।

पाठ 15

आओ लिखें–3

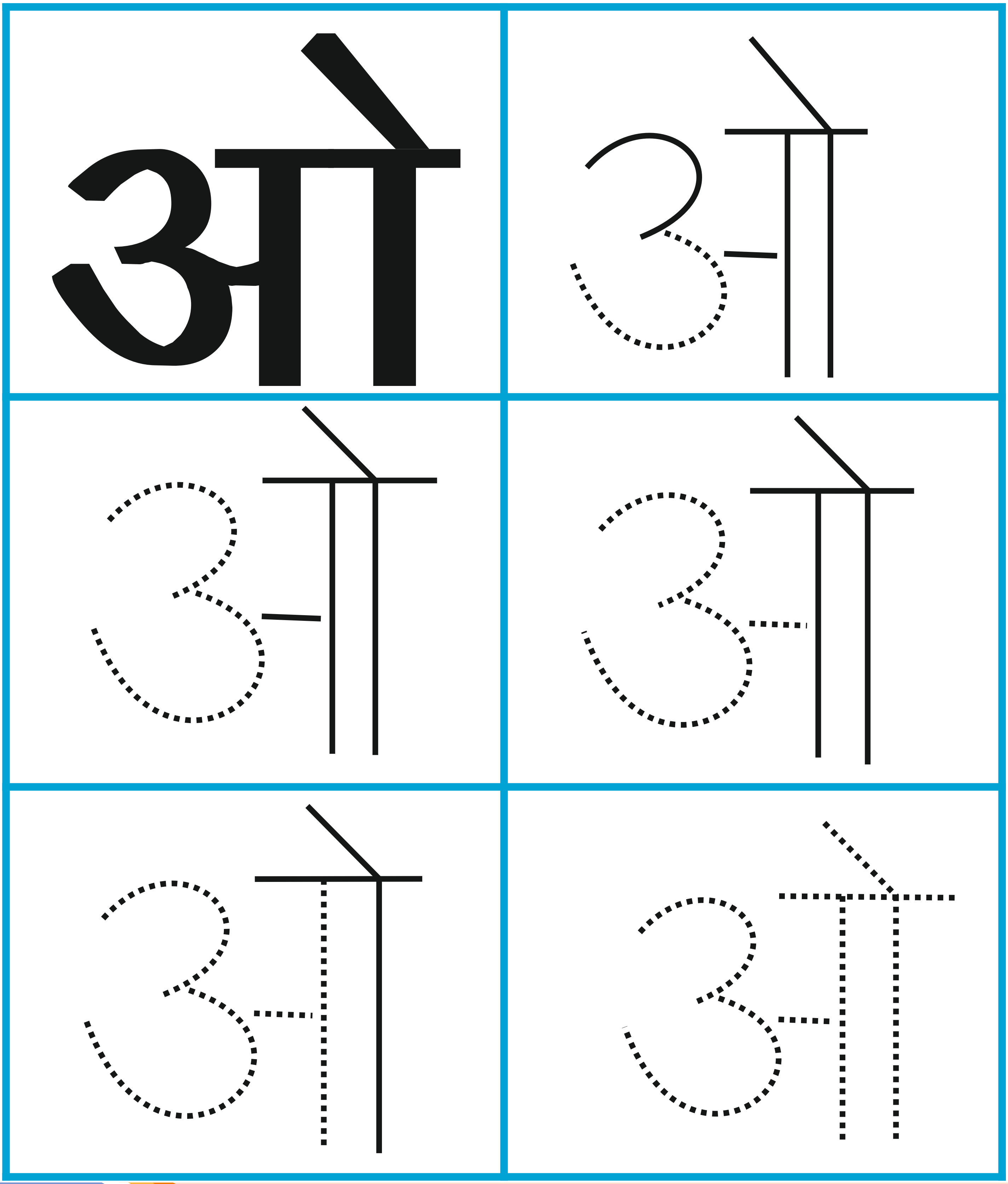

शिक्षण संकेत बिन्दुओं को मिलाते हुए दिये गये वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

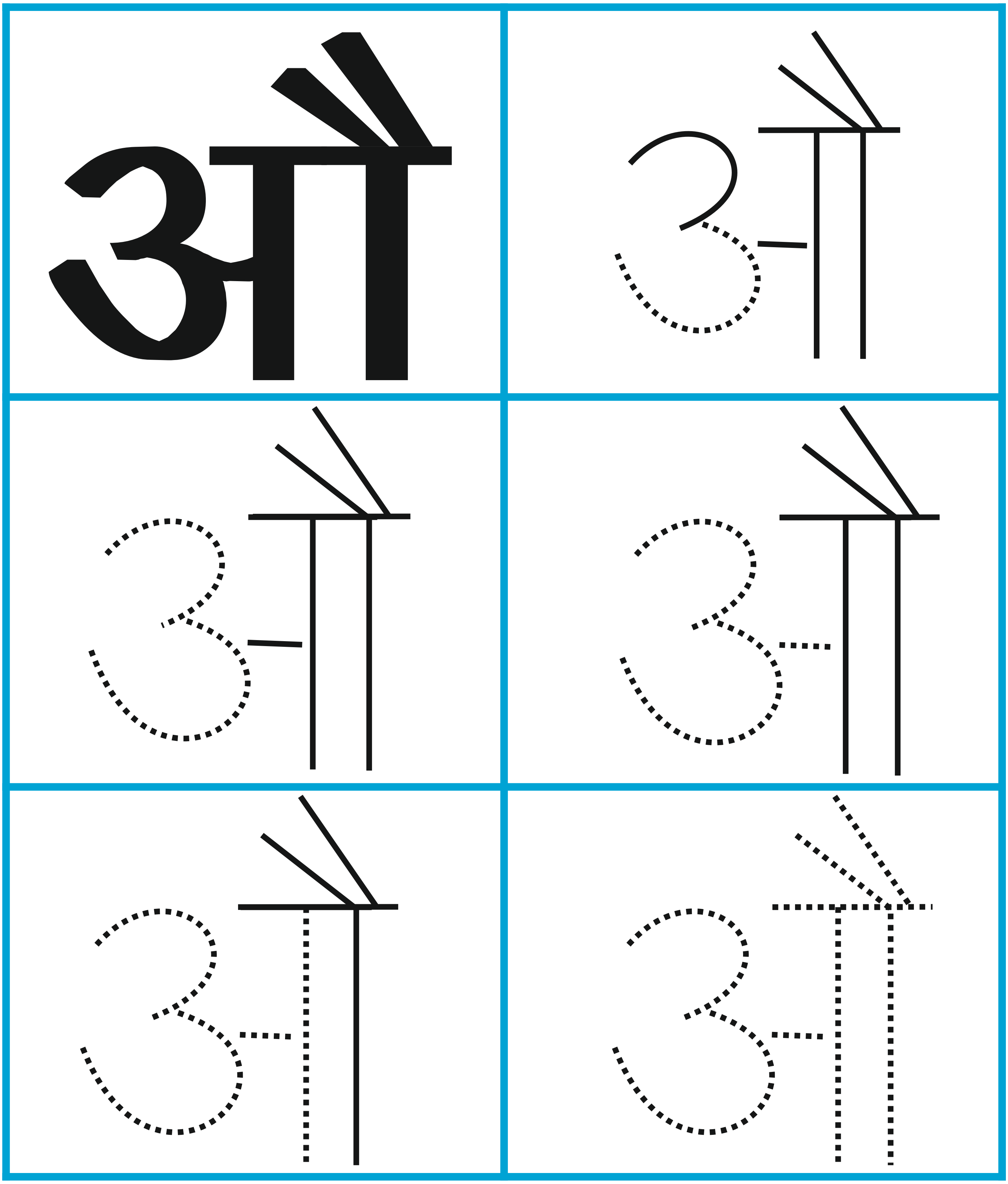

शिक्षण संकेत बिन्दुओं को मिलाते हुए दिये गये वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

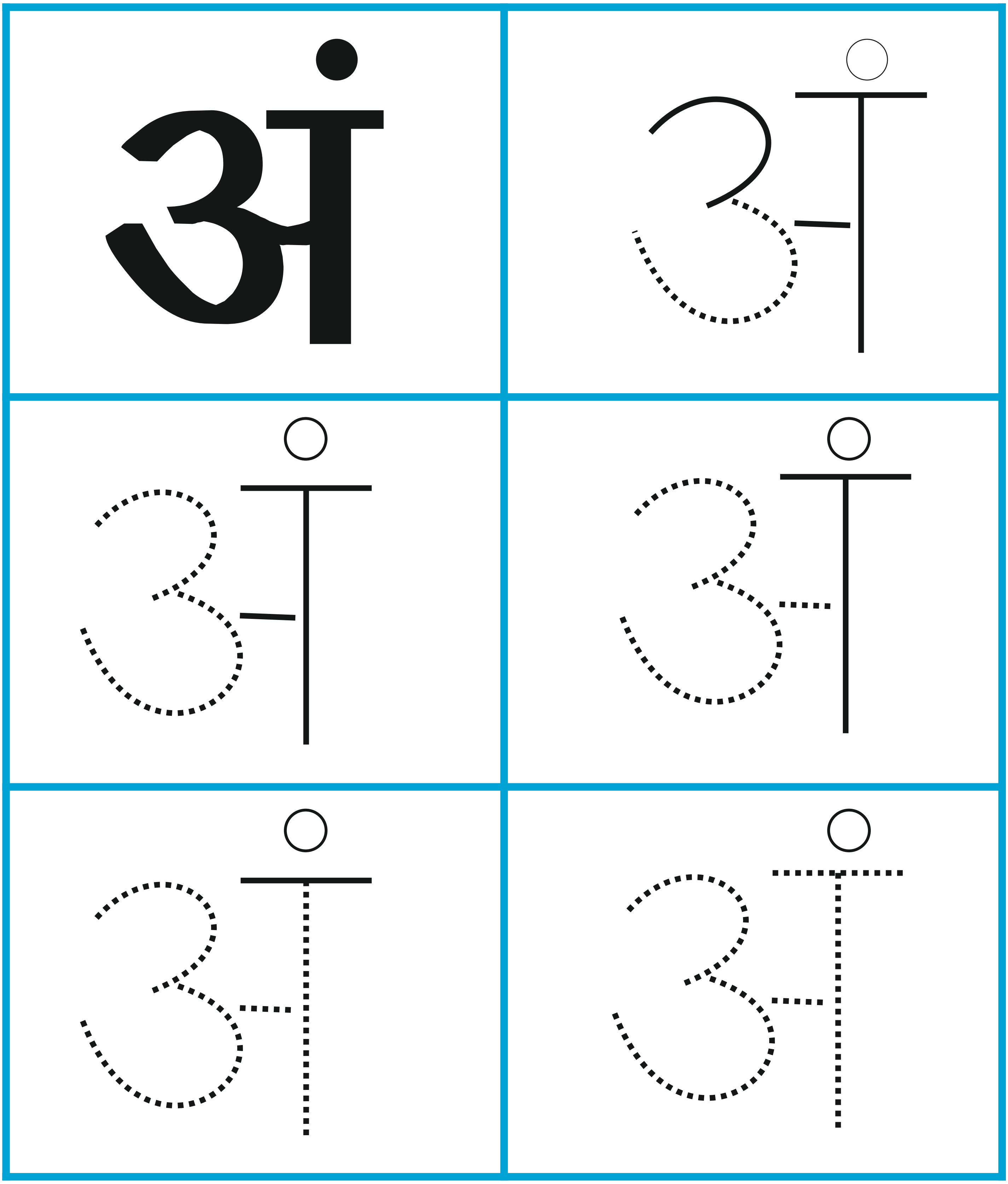

शिक्षण संकेत

बिन्दुओं को मिलाते हुए दिये गये वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

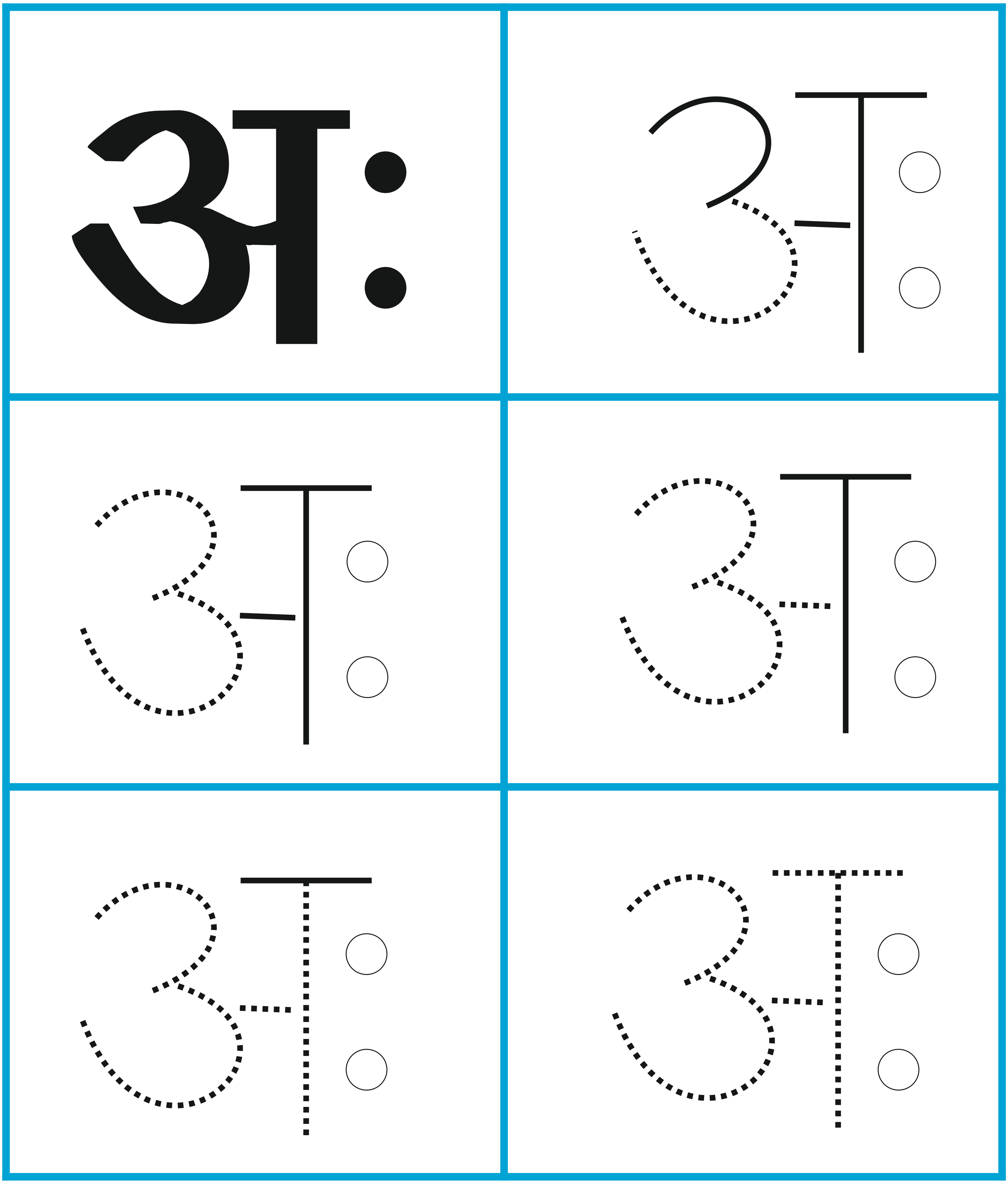

शिक्षण संकेत बिन्दुओं को मिलाते हुए दिये गये वर्ण को लिखने का अभ्यास कराएँ।

सब्जियाँ

टमाटर

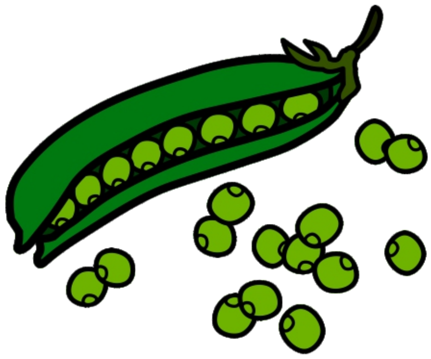

मटर

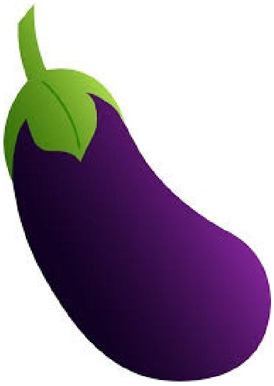

बैंगन

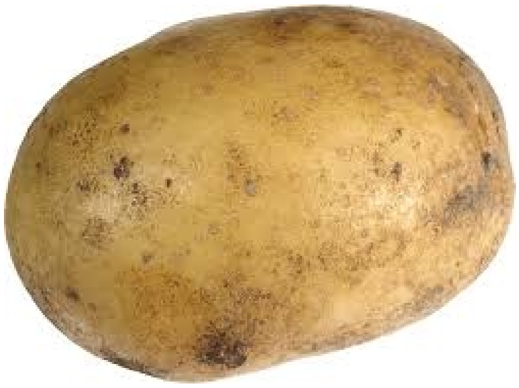

आलू

प्याज

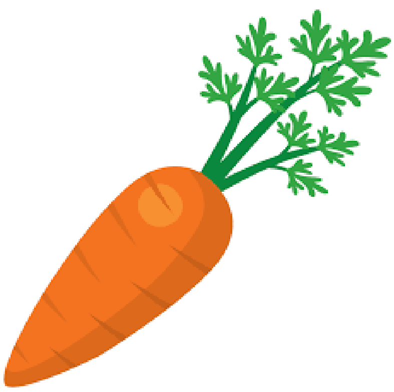

गाजर

शिक्षण संकेत

चित्रों को दिखाकर उनकी पहचान व उच्चारण का अभ्यास कराएँ।

पाठ 17

हमारे आस–पास

गाँव

शिक्षण संकेत

चित्र पर बातचीत करें।

शहर

शिक्षण संकेत

चित्र पर बातचीत करें।

पाठ 18

व्यंजन गीत

क

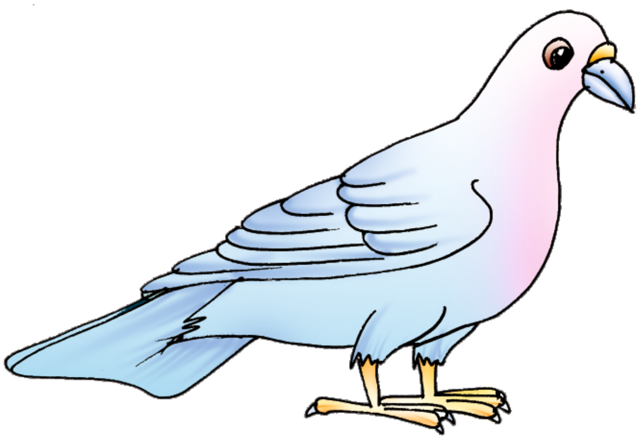

क कबूतर उड़ने वाला

ख

ख खरगोश दौड़ने वाला

ग

ग गमले में फूल लगाओ

ङ

घ

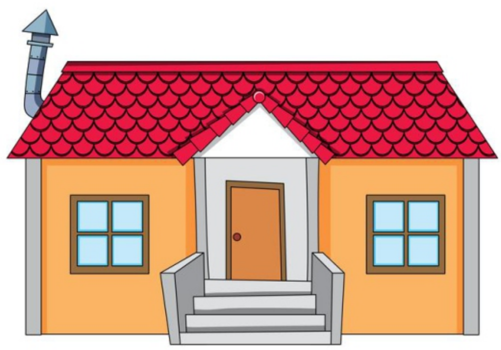

घ घर को तुम खूब सजाओ

च

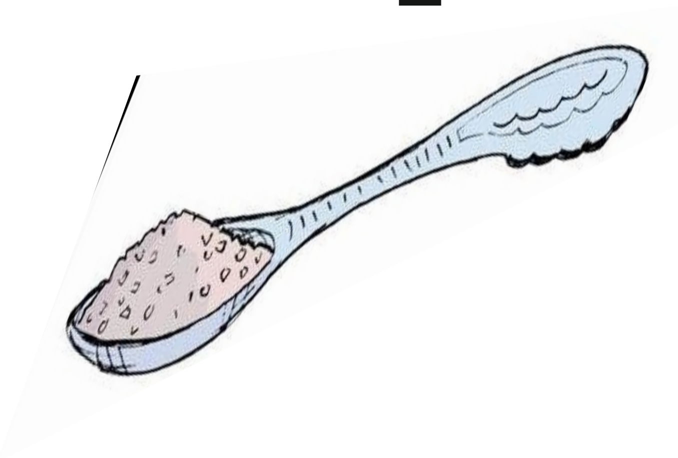

च चम्मच से खाओ खूब।

छ

छ छतरी तानो जब हो धूप।

ज

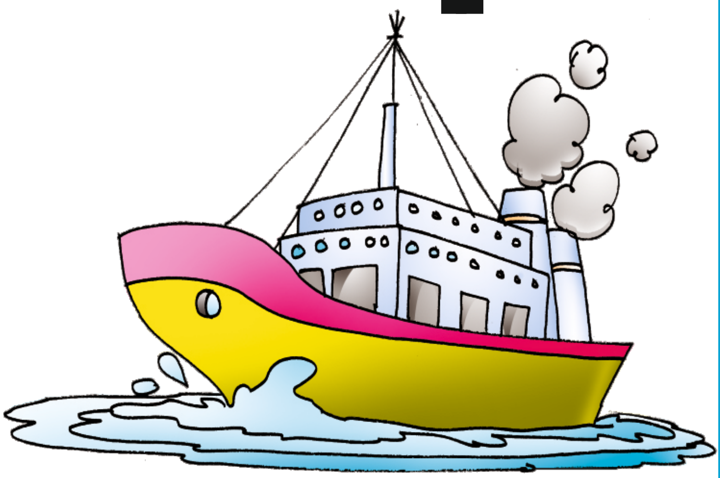

ज जहाज पानी पर चलता।

झ

झ झंड़ा फर–फर है उड़ता।

ञ

ट

ट टमाटर रोज खाओ।

ठ

ठ ठप्पा खूब लगाओ।

ड

ड डलिया में सब्जी रखते।

ढ

ढ ढक्कन से खाना ढकते।

ण

त

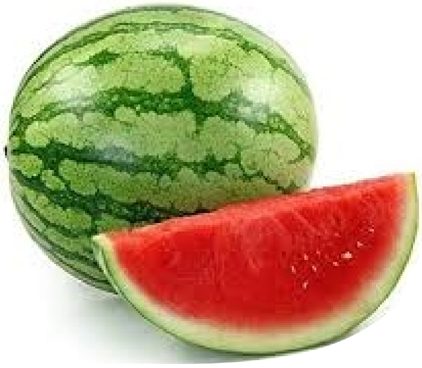

त तरबूज गर्मी में खाओ।

थ

थ थरमस में चाय लाओ।

द

द दरवाजा जाकर खोलो।

ध

ध धनियाँ सब्जी में डालो।

न

न नल से पानी भर लाओ।

प

प पतंग तुम खूब उड़ाओ।

फ

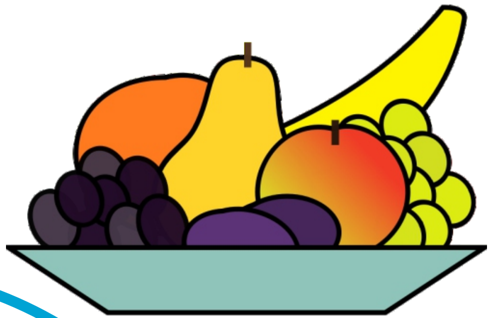

फ फल ताजे तुम खाओ।

ब

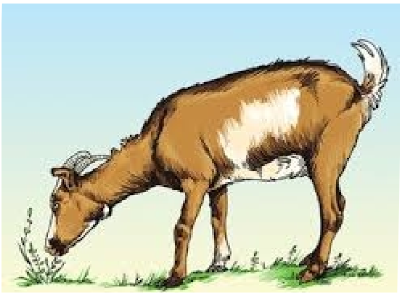

ब बकरी को घास खिलाओ।

भ

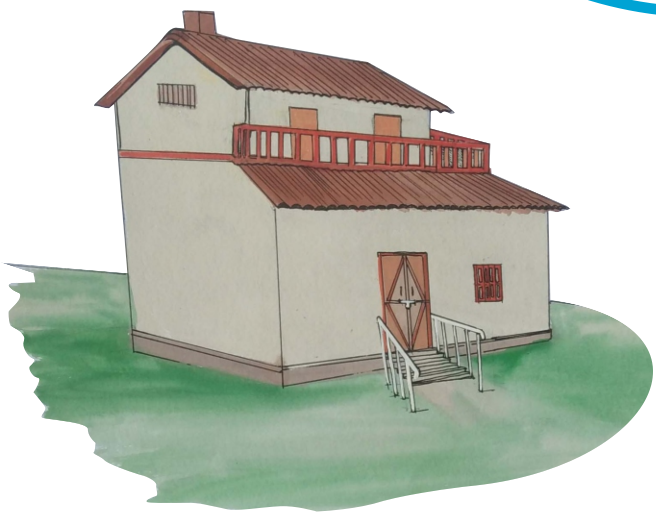

भ भवन है आलीशान।

म

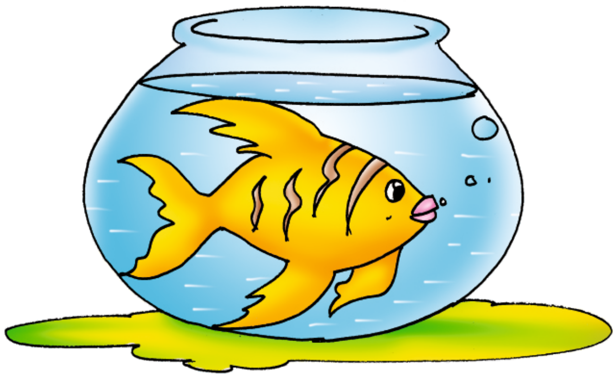

म मछली की पानी में है जान।

य

य यंत्र कार्य को सरल बनाते।

र

र रस्सी पर कपड़े को सुखाते।

ल

ल लड्डू से हमको है प्यार।

व

व वक का मछली है आहार।

श

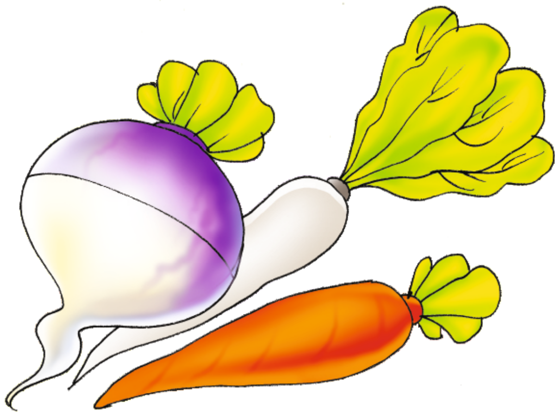

श शलजम की सब्जी खाओ।

ष

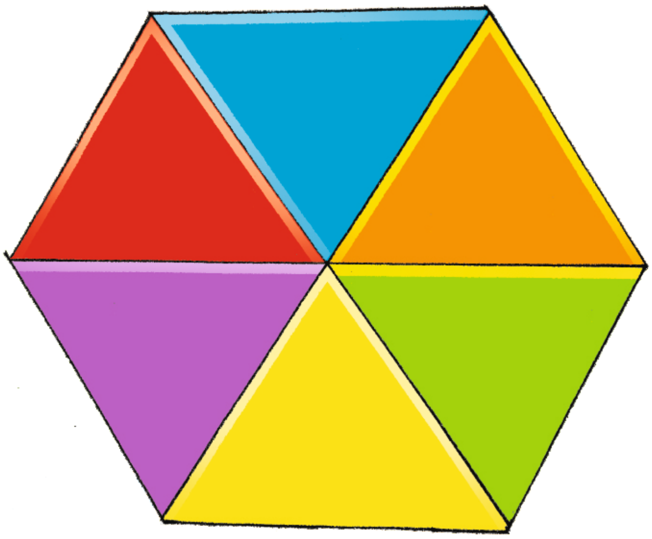

ष षटकोण में रंग सजाओ।

स

स सब्जी के लाभ अनेक।

ह

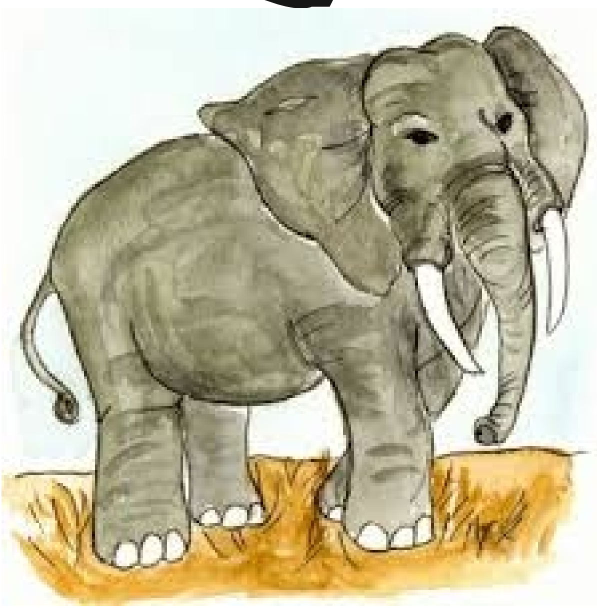

ह हाथी की सूँड़ है एक।

क्ष

क्ष क्षमा करो प्रभु बालक जान।

त्र

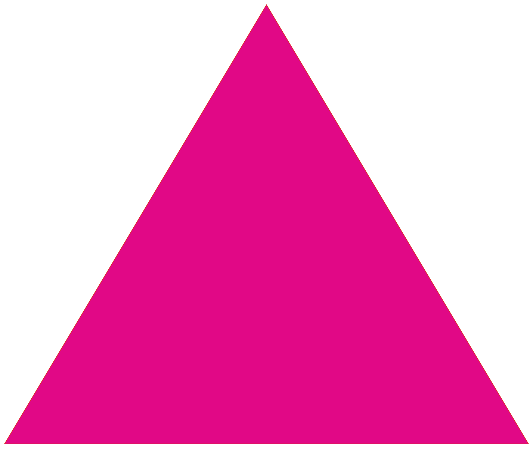

त्र त्रिभुज की हम कर लें पहचान।

ज्ञ

ज्ञ ज्ञानी देते हमको ज्ञान।

पढ़ें लिखें और बनें महान

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक, जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा–
द्राविड़–उत्कल बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!

सत्र 2020-2021

आवरण पृष्ठ की विशिष्टियाँ–

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टिकरण : प्रयुक्त कागज वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9,वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियों बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार है, एवं कागज 53.34 सेमी0X78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ० प्र० बेसिक शिक्षा परिषद्

निःशुल्क वितरण हेतु